होगा.

उमड़ा है. किसानों के लिए विवि के

आंदोलन सत्य व अहिंसा की शक्ति का प्रतीक है : वक्ता

विचार गोष्ठी में मौजूद प्रधानाचार्य व अन्य.

समस्तीपुर. शहर के आरएनएआर कॉलेज के पुस्तकालय अध्ययन कक्ष में गुरुवार को नमक सत्याग्रह और उसके महत्व के उपलक्ष्य में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. उपस्थित वक्ताओं ने नमक सत्याग्रह के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 12 मार्च 1930 को महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के अन्यायपूर्ण नमक कानून के विरोध में साबरमती आश्रम से दांडी तक ऐतिहासिक यात्रा प्रारंभ की थी. यह यात्रा लगभग 24 दिनों तक चली और इस आंदोलन ने पूरे देश में स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी. प्रधानाचार्य डा. दिलीप कुमार ने कहा कि नमक सत्याग्रह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है. यह आंदोलन सत्य और अहिंसा की शक्ति का प्रतीक है. सफल संचालन महाविद्यालय की पुस्तकालय सहायक श्वेता अग्रवाल ने किया. उन्होंने विषय की भूमिका प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया. धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण बिज्ञान बिभाग के डॉ.अमित कुमार ने दिया. इसमे स्नातक व स्नाकोत्तर विभाग के छात्र और छात्रा सम्मिलित हुए. मौके पर छात्रा लाडली कुमारी, निशा कुमारी, रूचि कुमारी, सोनाली सिन्हा, कोमल कुमारी, रवि कुमार यादव, सुजीत यादव, आलोक कुमार और आयुष कुमार ने कार्यक्रम में शिरकत की. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संतोष कुमार, डॉ दीपक कुमार नायर, डॉ स्मिता कुमारी, डॉ प्रेम लता शर्मा, डॉ गुड़िया कुमारी, डॉ पिंकी कुमारी, डॉ प्रमोद कुमार आदि ने योगदान दिया.

Friday, March 13, 2026
Samstipur
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/69b312398e1c24379b343b70